

Padma Shri



SMT. GOURI LAKSHMI BAYI THAMPURATTY

Smt. Gouri Lakshmi Bayi Thampuratty is an Indian writer in English.

2. Born on 4th July, 1945 in the Royal family of Travancore, Smt. Thampuratty was privately schooled in the Palace. Later, she graduated in Economics from the Maharaja's College for Women, Thiruvananthapuram. She has 13 books to her credit. Among these, three are collections of poems and the rest, non-fiction literature. Most of these books focus on the splendour of Indian and Kerala culture, ancient Temples of Travancore, Travancore history and random thoughts on men and matters. Her monumental works, 'Sree Padmanabha Swamy Temple' and 'History Liberated: The Sree Chithra Saga' invite special mention. Many of her books have been translated into Malayalam and one each into Tamil and Hindi. She has presented many papers on national and international platforms. Her articles and poems have been published in regional, national and international dailies and periodicals.

3. Smt. Thampuratty served as Director of State Bank of Travancore twice. She was National Council member of University Women's Association, President of Bal Vikas Institute (for children in need of special care), etc. Currently, her positions include Trustee of Travancore Palace Charitable Trusts, Trustee of Puthen Malika Palace Museum, Patron of Hindu Mahila Mandiram and Paul Harris Fellow of Rotary International and so on. She is actively involved in the promotion of Indian culture and Sanatana Dharma.

4. Smt. Thampuratty has been honoured with many awards such as Kala Poshaka Award by Lalitha Kala Academy Foundation, Mysore; Deva Rama Award by Travancore Devaswom Board, Kerala; Arsha Samskara Deepika Puraskar by the National Centre for Research and Development in Education, Science and Technology, Mumbai; Indus Literary Award by India Inner Search, USA; Interfaith Leadership Award by World Yoga Community, New York, USA; Sanatana Dharma Bharati Spoorthi Puraskar by Bharat and Veda Vigyana Samithi, Tirupati and Baba Saheb National Award by Dr. B.R. Ambedkar International Foundation, New Delhi.

पद्म श्री



श्रीमती गौरी लक्ष्मी बाई तम्पुराट्टि

श्रीमती गौरी लक्ष्मी बाई तम्पुराट्टि अंग्रेजी भाषा की एक भारतीय लेखिका हैं।

2. 4 जुलाई, 1945 को त्रावणकोर के शाही परिवार में जन्मी श्रीमती तम्पुराट्टि की स्कूली शिक्षा महल में प्राइवेट तौर पर हुई। बाद में, उन्होंने तिरुवनंतपुरम के महाराजा कॉलेज फॉर वुमेन से अर्थशास्त्र में स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इनके खाते में 13 पुस्तकें हैं। इनमें तीन कविता संग्रह और बाकी गैर-कथामिक साहित्य हैं। इनमें से अधिकांश पुस्तकें भारतीय और केरल संस्कृति के वैभव, त्रावणकोर के प्राचीन मंदिरों, त्रावणकोर के इतिहास और अन्य विषयों पर छिटपुट विचारों पर आधारित हैं। उनकी महत्वपूर्ण रचनाएं, 'श्रीपद्मनाभ स्वामी मंदिर' और 'हिस्ट्री लिबरेटेड: द श्री चित्रा सागा' विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं। उनकी कई पुस्तकों का मलयालम में और एक-एक पुस्तक का तमिल और हिंदी में अनुवाद हुआ है। उन्होंने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर कई पत्र प्रस्तुत किए हैं। उनके लेख और कविताएं क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय अखबारों तथा पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए हैं।

3. श्रीमती तम्पुराट्टि ने दो बार स्टेट बैंक ऑफ त्रावणकोर के निदेशक के रूप में कार्य किया। वह यूनिवर्सिटी वुमंस एसोसिएशन की नेशनल काउंसिल मेंबर, बाल विकास संस्थान (विशेष जरूरतों वाले बच्चों के लिए) की अध्यक्ष आदि पदों पर रहीं। वर्तमान में, वह त्रावणकोर पैलेस चैरिटेबल ट्रस्ट की ट्रस्टी, पुथेन मलिका पैलेस संग्रहालय की ट्रस्टी, हिंदू महिला मंदिरम की संरक्षक और रोटरी इंटरनेशनल की पॉल हैरिस फेलो इत्यादि पदों पर काम करती हैं। वह भारतीय संस्कृति और सनातन धर्म के प्रोत्साहन में सक्रिय रूप से शामिल हैं।

4. श्रीमती तम्पुराट्टि को ललिता कला अकादमी फाउंडेशन, मैसूर द्वारा कला पोशाक पुरस्कार; त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड, केरल द्वारा देव राम पुरस्कार; नेशनल सेंटर फॉर रिसर्च एंड डेवलपमेंट इन एजुकेशन, साइंस एंड टेक्नोलॉजी, मुंबई द्वारा अर्श संस्कार दीपिका पुरस्कार; इंडिया इनर सर्च, यूएसए द्वारा सिंधु साहित्य पुरस्कार; वर्ल्ड योग कम्युनिटी, न्यूयॉर्क, यूएसए द्वारा इंटरफेथ लीडरशिप अवार्ड; भारत और वेद विज्ञान समिति, तिरुपति द्वारा सनातन धर्म भारती स्फूर्ति पुरस्कार और डॉ. बी.आर. अंबेडकर इंटरनेशनल फाउंडेशन, नई दिल्ली द्वारा बाबा साहेब राष्ट्रीय पुरस्कार जैसे कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।